B.Ed. (IIIrd Semester)
Principle of Curriculum Framing

Dr. Kanak Lata Vishwakarma
Associate Professor,
Harishchandra P.G. College, Varanasi

Meaning of Curriculum

- शिक्षा एक त्रिमुखी प्रक्रिया है इसके तीनों अंग शिक्षक, शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम है। सम्पूर्ण शिक्षा की प्रक्रिया की धुरी पाठ्यक्रम ही है। शिक्षा तथा शिक्षण का स्वरूप पाठ्यक्रम के प्रारूप द्वारा ही निर्धारित होता है। **Curriculum** शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के **Currere** से हुई है जिसका अर्थ है (**Race Course**) दौड़ का मैदान, जिस पर व्यक्ति दौड़ कर किसी लक्ष्य तक पहुँचता है। इस दृष्टिकोण से शिक्षा एक ऐसा दौड़ बन जाती है जो पाठ्यक्रम के मार्ग पर दौड़ी जाती है और जिसके द्वारा बालक के व्यक्तित्व विकास रूपी लक्ष्य को प्राप्त किया जाता है। विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं ने भी शिक्षा के जिन उद्देश्यों का निर्धारण किया है उनकी प्राप्ति पाठ्यक्रम के द्वारा ही होती है। इसलिए पाठ्यक्रम को शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति का साधन भी कहा जाता है।

Definition of Curriculum

- कनिंघम– पाठ्यक्रम कलाकार (शिक्षक) के हाथ में एक यंत्र है जिसे वह अपनी सामग्री (शिष्य) को अपने (लक्ष्य) के अनुसार कलागृह (विद्यालय) में मोड़ता है।
- मुनरो– पाठ्यक्रम में वे सब क्रियायें सम्मिलित हैं जिनका हम शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विद्यालय में उपयोग करते हैं।
- फ्रावेल– पाठ्यक्रम को मानव जाति के सम्पूर्ण ज्ञान तथा अनुभवों का सार समझना चाहिए।
- क्रो तथा क्रो– पाठ्यक्रम में विद्यार्थी के वे सभी अनुभव सम्मिलित हैं जिन्हें वह स्कूल के अन्दर या बाहर प्राप्त करता है और उससे मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक, आध्यात्मिक तथा नैतिक विकास के लिए बनाये गये कार्यक्रम में सम्मिलित किया जाता है।

Need and Importance of Curriculum

- 1. समय एवं शक्ति का सदुपयोग
- 2. शिक्षा का समान स्तर
- 3. शिक्षा के उद्देश्यों में सहायक
- 4. शिक्षा प्रक्रिया में सहायक
- 5. छात्रों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं की पूर्ति
- 6. पाठ्य पुस्तकों का लेखन
- 7. मूल्यांकन।

Aims of Curriculum

- 1. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का चतुर्मुखी विकास करना होता है।
- 2. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की रूचि, योग्यता तथा क्षमताओं का विकास करना होता है।
- 3. पाठ्यक्रम का उददेश्य धर्मनिरपेक्षता एवं प्रजातंत्र की भावना का विकास करना होता है।
- 4. पाठ्यक्रम का उद्देश्य कुछ सामाजिक गुणों जैसे–ईमानदारी, सत्यता, सद्भाव आदि का विकास करना होता है।
- 5. पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जिसके द्वारा छात्र अपने जीवन मूल्यों का निर्माण कर स्वयं सीख सके।
- 6. पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जिससे छात्रों के अन्तर्निहित शक्तियों का विकास हो।
- 7. पाठ्यक्रम का उद्देश्य अच्छे नागरिकों का निर्माण करना होना चाहिए।

Principle of Curriculum Constructions

1. Attention of the child's need and interest.
2. Attention to the social need.
3. Principle of Utility
4. Principle of Creativity
5. Synthesis between work and play.
6. Principle of realisation of ideals of behaviour.
7. Principle of growth and development.

Conclusion :

- पाठ्यक्रम वह साधन है जिसके द्वारा शिक्षा व जीवन के लक्ष्यों की प्राप्ति होती है। यह अध्ययन का निश्चित एवं तर्कपूर्ण क्रम है जिसके माध्यम से शिक्षार्थी के व्यक्तित्व का विकास होता है तथा वह नवीन ज्ञान एवं अनुभव को ग्रहण करता है।

Thank you

For any queries E-mail at : kanaklata1969@yahoo.com